30/5/26

[This question paper contains 2 printed pages.]

**Your Roll No.....**
**आपका अनुक्रमांक.....**

RAMANUJAN COLLEGE LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-110019

| | | |
|---|---|---|
| **Sr. No. of Question Paper** | : | **1152** |
| Unique Paper Code | : | 2052102401 |
| Name of the Paper | : | Bhartiya Kavyashastra |
| Name of the Course | : | **B.A. (H) Hindi - DSC** |
| Semester | : | IV |

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

**छात्रों के लिए निर्देश**

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा का संक्षिप्त उल्लेख करते हुए आचार्य विश्वनाथ के योगदान को लिखिए। (15)

अथवा

भारतीय काव्यशास्त्र में अलंकार संप्रदाय का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।

2. संस्कृत आचार्यों द्वारा प्रतिपादित काव्य के प्रमुख प्रयोजनों का वर्णन कीजिए। (15)

अथवा

'रमणीयार्थ प्रतिपादकः शब्दः काव्यम्' (जगन्नाथ) के आधार पर काव्य के स्वरूप का विवेचन कीजिए।

3. रस के चार प्रमुख अवयवों- स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव और संचारी भाव का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए। (15)

अथवा

साधारणीकरण से आप क्या समझते हैं? रस निष्पत्ति में साधारणीकरण की भूमिका की विवेचना कीजिए।

4. लक्षणा और व्यंजना शब्दशक्ति क्या है। दोनों में मुख्य अंतर उदाहरण बताइये। (15)

अथवा

अलंकार की परिभाषा देते हुए रूपक और उपमा में अंतर उदाहरण सहित लिखिए।

*P.T.O.*

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए। (10×3=30)

(क) मात्रिक और वर्णिक छंद

(ख) यमक और श्लेष अलंकार में अंतर

(ग) काव्य हेतु

(घ) शांत और वात्सल्य रस

(ङ) रस का स्वरूप

(च) आचार्य वामन